पैंथर ने 'सुनती जाओ' में कोमल रोमांस को टटोला है

अपने संगीत के जरिए लगातार दमदार रैप और सच्ची भावनाएं पेश करने के बाद, पैंथर 'सुनती जाओ' के साथ एक नरम और अधिक अंतरंग दिशा में मुड़ रहे हैं. यह एक दिल को छू लेने वाला रोमांटिक ट्रैक है, जो किसी की मौजूदगी में सुकून और शांति पाने के बारे में है. पैंथर द्वारा लिखे और गाए गए इस गाने में स्वप्निल धुनों और सच्ची भावनाओं का मिश्रण है, जो एक ऐसा अनुभव बनाता है जो व्यक्तिगत, गर्मजोशी से भरा और खामोशी से यादगार बन जाता है. भावनात्मक जुड़ाव की नींव पर बना, 'सुनती जाओ' उन छोटे-छोटे पलों को टटोलता है जो धीरे-धीरे प्यार में बदल जाते हैं- खामोशियां, सुकून और ज़िंदगी चाहे जहां भी ले जाए, हमेशा एक ही इंसान के पास लौट आने की आदत. बारिश, हवा और ठहराव की काव्यात्मक कल्पनाओं को खूबसूरती से लिरिक्स में पिरोते हुए, यह गाना एक सहज अंतरंगता लेकर आता है जो तुरंत श्रोताओं को अपनी ओर खींच लेता है. एक बार फिर पैंथर के संवेदनशील और 'शायराना' अंदाज़ को पेश करता यह ट्रैक, सादगी और गहरी भावनाओं के बीच बहुत ही खूबसूरती से संतुलन बनाता है. इससे इसके बोल और धुनें गाना खत्म होने के काफी देर बाद तक जहन में बसे रहते हैं. पहली बार सुनने से ही इसका हुक स्वाभाविक रूप से दिल में उतर जाता है, जिससे 'सुनती जाओ' एक गाने से ज्यादा एक ऐसी भावना जैसा लगता है जिसे श्रोताओं ने महसूस तो किया है, लेकिन कभी शब्दों में बयां नहीं कर पाए. गाने के बारे में बात करते हुए पैंथर ने कहा, 'यह गाना भावनात्मक रूप से बहुत ही सच्ची जगह से निकल कर आया है. मैं किसी इंसान में सुकून पाने के उस एहसास को कैद करना चाहता था, उस तरह का प्यार जो शांत, सुरक्षित और सहज महसूस होता हो. लोग हमेशा मेरे इंटेंस पक्ष से जुड़े रहे हैं, लेकिन 'सुनती जाओ' के साथ, मैं चाहता था कि श्रोता एक कलाकार के रूप में मेरे नरम और अधिक संवेदनशील पक्ष का अनुभव करें. मुझे उम्मीद है कि यह गाना उनके निजी पलों और यादों का हिस्सा बनेगा.'

मनीषा के साथ रोमांटिक सीन करना बॉबी के लिए बना चुनौती

बंदर की रिलीज से पहले बॉबी देओल ने 'गुप्त' की शूटिंग से जुड़ा एक पुराना किस्सा सुनाया. गुप्त की शूटिंग के दौरान मनीषा कोइराला के साथ रोमांटिक सीन करते वक्त वह असहज हो गए थे.बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है और फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच बॉबी देओल की सुपरहिट फिल्म 'गुप्त' से जुड़ा एक पुराना और दिलचस्प किस्सा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है.साल 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'गुप्त' उस दौर की सबसे चर्चित सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों में से एक थी. फिल्म में बॉबी देओल, काजोल और मनीषा कोइराला मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे. दर्शकों ने इसकी कहानी, संगीत और कलाकारों के अभिनय को खूब पसंद किया था. यही वजह रही कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल साबित हुई और आज भी इसे बॉलीवुड की यादगार फिल्मों में गिना जाता है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के एक गाने की शूटिंग के दौरान बॉबी देओल और मनीषा कोइराला को एक रोमांटिक सीन फिल्माना था. सीन की डिमांड थी कि दोनों कलाकार एक-दूसरे के काफी करीब आएं. हालांकि, शूटिंग के दौरान बॉबी बार-बार असहज महसूस करने लगे और सीन ठीक से नहीं कर पा रहे थे. बताया जाता है कि इसकी वजह मनीषा कोइराला के मुंह से आ रही प्याज की तेज गंध थी.

कहा जाता है कि शूटिंग से कुछ समय पहले उन्होंने चना चाट खाई थी, जिसमें प्याज की मात्रा अधिक थी. इसी कारण बॉबी को रोमांटिक सीन शूट करने में परेशानी होने लगी. स्थिति इतनी असहज हो गई कि बॉबी देओल ने फिल्म के निर्देशक से इस बारे में शिकायत भी की. हालांकि, बाद में माहौल सामान्य हुआ और शूटिंग पूरी कर ली गई. यह किस्सा वर्षों बाद भी बॉलीवुड के दिलचस्प पर्दे के पीछे की घटनाओं में गिना जाता है.वर्कफ्रंट की बात करें तो बॉबी देओल जल्द ही फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे. अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी 'बंदर' में उनके साथ सबा आजाद, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी. ट्रेलर को मिले सकारात्मक रिस्पॉन्स के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है. अब देखना दिलचस्प होगा कि बॉबी देओल की यह नई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल दिखाती है.

श्रद्धा आर्या ने आधुनिक मातृत्व पर साझा किए अपने अनुभव

लोकप्रिय भिनेत्रियाँ दिव्यांका त्रिपाठी, जूही परमार और श्रद्धा आर्या हाल ही में एक साथ आईं और साझा किया कि किस तरह महाभारत की कहानियाँ और किरदार उनकी माँ बनने और पैरेंटिंग की यात्रा से गहराई से जुड़ते हैं. दिल से निकले उनके विचारों ने यह दिखाया कि कुंती, गांधारी और गुरु द्रोणाचार्य की कहानियाँ आज भी आधुनिक पैरेंटिंग के फैसलों को प्रेरित करती हैं.

दिव्यांका त्रिपाठी ने आज की दुनिया में लगातार होने वाली तुलना के दबाव, खासकर मातृत्व और बच्चों को लेकर, अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहा, 'आजकल तुलना बच्चे के जन्म से पहले ही शुरू हो जाती है. एक माँ के तौर पर यह सोच मुझे सच में डराती है. मैं अक्सर सोचती हूँ कि अपने बच्चे को हर कदम पर तुलना और जजमेंट से भरी इस दुनिया से कैसे बचाऊँगी. इस पर विचार करते हुए मुझे कुंती की याद आई. उन्होंने कभी अपने बच्चों की आपस में तुलना नहीं की. बल्कि हर बच्चे की अलगअलग खूबियों को पहचाना - युधिष्ठिर की बुद्धिमत्ता, भीम की ताकत, अर्जुन का ध्यान, नकुल और सहदेव का संतुलन और प्यार - और हर बच्चे को अलग तरह से सँवारा. मेरे लिए यही असली पैरेंटिंग है. जब हर बच्चे को उसका सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, तो तुलना अपने आप गायब हो जाती है और उसकी जगह प्यार ले लेता है.' जूही परमार ने आज के डिजिटल दौर में पैरेंटिंग पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'लोगों को मेरे और समायरा के साथ बनाए गए रील्स बहुत पसंद आते हैं और सच कहूँ तो हमारा रिश्ता बहुत खूबसूरत है.

टेलीविजन

अमनदीप और शीजान ने स्नेधू टुगेदर ट्रेंड पर दी प्रतिक्रिया

'गंगा माई की बेटियां' अपने प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों का दिल जीत रहा है. जज़्बातों से भरी कहानी, दिलचस्प ट्विस्ट्स और दमदार परफॉर्मेंसेस की वजह से शो लगातार दर्शकों को बांधे हुए है. इतना ही नहीं, यह कई हफ्तों से टीआरपी चार्ट्स पर नंबर 2 की पोजिशन भी बनाए हुए है. शो की हर कहानी ने दर्शकों को जोड़े रखा है, लेकिन सिद्धू, यानी शीज़ान खान और स्नेहा, यानी अमनदीप सिद्ध के अलगाव वाले ट्रैक ने दर्शकों को सबसे ज्यादा जज़्बाती कर दिया है. एक तरफ सिद्धू पूर्वी, यानी यास्मीन से शादी करने जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ स्नेहा की शादी शांतनु, यानी शहज़ाद शेख के साथ तय हो चुकी है. ऐसे में दर्शकों के लिए यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि उनका पसंदीदा जोड़ा हमेशा के लिए अलग हो सकता है. स्क्रीन पर शादी की रस्में और प्री वेडिंग फंक्शंस आगे बढ़ रहे हैं, वहीं सोशल मीडिया पर फैंस लगातार जज़्बाती प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

दर्शकों के बिना शर्त प्यार के लिए हैं दिल से शुक्रगुजार

'जगद्धात्री' अपनी अलग और दिलचस्प कहानी की वजह से दर्शकों का पसंदीदा फिक्शन शो बन चुका है. अब शो ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है. 'जगद्धात्री' ने सफलतापूर्वक 200 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं. इतना ही नहीं, शो लगातार टीआरपी चार्ट्स पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है. यह कहानी जगद्धात्री, यानी सोनाक्षी बत्रा के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो घर में एक सीधी-सादी और भोली लड़की की तरह नजर आती है. परिवार, खासकर उसकी मां और अब सास, अक्सर उसे कम आंकते हैं और गलत व्यवहार करते हैं.

रोहित और मदिराक्षी की केमिस्ट्री ने बढ़ाया सैराब का एक्साइटमेंट

नया शो सैराब अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है. शो के प्रोमो सामने आने के बाद से ही फैंस रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले की शानदार केमिस्ट्री, इमोशनल कनेक्शन और स्क्रीन प्रेजेंस की खूब तारीफ कर रहे हैं. दर्शक इस नई जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी इनके बारे में लगातार बातें हो रही हैं. दर्शकों को सबसे ज्यादा जो बात पसंद आ रही है, वह यह है कि सैराब सिर्फ एक आम लव स्टोरी नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी एक गहरी कहानी लेकर आ रहा है. लाल रंग की थीम पर बनी इसकी दुनिया प्यार, तड़प, दर्द और जुनून को दर्शाती है. शो की कहानी एक मशहूर पॉप स्टार और एक ऐसी साधारण महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने अपनी पूरी जिंदगी परिवारऔर बच्चों के लिए जी दी, लेकिन कहीं ना कहीं खुद की खुशियों और सपनों को पीछे छोड़ दिया.

मदिराक्षी मुंडले कहती हैं, 'प्रोमो को दर्शकों से जिस तरह का प्यार और सपोर्ट मिल रहा है, उसके लिए हम दिल से आभारी हैं. यह हमारे लिए बेहद खास एहसास है कि लोग हमारे किरदारों की केमिस्ट्री से जुड़ रहे हैं और कहानी की भावनाओं को भी महसूस कर पा रहे हैं. हमने हर पल और हर सीन को जितना हो सके उतना सच्चा और दिल से दिखाने की कोशिश की है, इसलिए शो के ऑन एयर होने से पहले ही दर्शकों का इससे जुड़ना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है. सैराब की कहानी को खास बनाती है इसकी भावनात्मक गहराई.

अल्फा तय समय से पहले हो सकती है रिलीज

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'अल्फा' एक बार फिर अपनी रिलीज डेट को लेकर सुर्खियों में है. पहले इस फिल्म को 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स अब इसे एक सप्ताह पहले रिलीज करने की योजना बना रहे हैं. अगर यह फैसला अंतिम रूप लेता है तो फिल्म 3 जुलाई 2026 को बड़े पर्दे पर दस्तक दे सकती है. हालांकि, वाईआरएफ की ओर से अभी तक नई रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज डेट आगे खिसकाने के पीछे एक बड़ी रणनीति है. बताया जा रहा है कि 'धमाल 4', जो पहले 3 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, अब 17 जुलाई 2026 को रिलीज होगी.

यंग इंडिया

एमएनएनआईटी ने खोले साइबर इंटर्नशिप के अवसर

20,000 रुपए मिलेगा स्टाइपेंड

डिजिटल दुनिया में पैर पसारते साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी पर लगाम लगाने के लिए अब युवाओं को हाईटेक सुरक्षा कवच से लैस करने की एक बड़ी मुहिम शुरू की गई है. भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता प्रोजेक्ट के तहत मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज में 6 से 8 सप्ताह की एक विशेष साइबर सुरक्षा इंटर्नशिप का आयोजन होने जा रहा है. इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के लिए युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है. प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 21 मई तक देश भर से करीब 70 से अधिक मेधावी अभ्यर्थी इस एडवांस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए अपना आवेदन जमा कर चुके हैं.

एमएनएनआईटी परिसर में आयोजित होने वाला यह विशेष कार्यक्रम पूरी तरह से ऑफलाइन मोड में संचालित किया जाएगा. संस्थान का मुख्य उद्देश्य ऐसे तकनीकी विशेषज्ञों की फौज तैयार करना है, जो भविष्य में डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक और स्वदेशी समाधान विकसित कर सकें. इस ट्रेनिंग के दौरान चयनित छात्रों को निम्नलिखित क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव और लाइव रिसर्च करने का मौका मिलेगा.

इस तकनीकी इंटर्नशिप का हिस्सा बनने के लिए केवल उन्हीं विद्यार्थियों के आवेदनों पर विचार किया जा रहा है, जो कंप्यूटर साइंस और सूचना प्रौद्योगिकी की पृष्ठभूमि से आते हैं. जिन छात्रों को क्रिप्टोग्राफी, नेटवर्क सिक्योरिटी और आधुनिक साइबर सिक्योरिटी टूल्स की पहले से बुनियादी जानकारी है, उन्हें चयन प्रक्रिया में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी. प्रोजेक्ट के मुख्य अंवेषक और एमएनएनआईटी के कंप्यूटर साइंस विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. रमाशंकर ने बताया कि प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी के बाद उम्मीदवारों का एक विशेष इंटरव्यू लिया जाएगा. कड़े इंटरव्यू के आधार पर केवल 5 सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का अंतिम चयन किया जाएगा.

इलेक्ट्रॉनिक्स से सिविल तक बढ़ेगी इंजीनियरों की मांग

इंजीनियरिंग ब्रांचों में मिलेगा शानदार कॅरियर

12 वीं की बोर्ड परीक्षाएं खत्म होने के बाद, देश भर के लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यही होता है कि बीटेक में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच का भविष्य सबसे सुरक्षित और शानदार है. पिछले कुछ वर्षों से छात्रों के बीच कंप्यूटर साइंस और आईटी का क्रेज इस कदर बढ़ा है कि बाकी इंजीनियरिंग ब्रांच कहीं पीछे छूटती दिख रही थीं. भारत सरकार की दूरदर्शी नीतियों और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के चलते आने वाले दिनों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और सिविल स्ट्रीम में कुशल इंजीनियरों की भारी डिमांड पैदा होने वाली है.

सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत इस समय एक वैश्विक महाशक्ति बनने की राह पर है. आने वाले समय में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 बिलियन डॉलर (लगभग 83,000 करोड़ रुपये) का भारी-भरकम निवेश होने जा रहा है. इस भारी निवेश के धरातल पर उतरते ही नौकरियों की बाढ़ आएगी. वर्तमान स्थिति यह है कि देश की दिग्गज टेक कंपनियों को इस समय 10,000 से अधिक कुशल इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की आवश्यकता है. करियर एक्सपर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके छात्र सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों ही क्षेत्रों में आसानी से प्लेसमेंट पा सकते हैं, जो कंप्यूटर साइंस के मुकाबले अधिक अवसर प्रदान करता है.

यदि आपको लगता है कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग का स्कोप खत्म हो चुका है, तो आप गलत हैं. आज की मैकेनिकल इंजीनियरिंग पुरानी लकीर पर नहीं चल रही है. यह अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और 'इंडस्ट्री 4.0' जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के साथ जुड़ चुकी है. ऑटोमोटिव डिजाइनिंग से लेकर एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग और रोबोटिक्स तक, इसकी मांग हर जगह है. वर्तमान में भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश की जीडीपी में लगभग 20% का योगदान दे रहा है और उद्योगों के 90% से अधिक क्षेत्रों को किसी न किसी रूप में मैकेनिकल इंजीनियरों की आवश्यकता होती ही है.

देश में चल रहे बड़े पैमाने के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, मास हाउसिंग और स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट्स ने सिविल इंजीनियरिंग फील्ड को फिर से जीवित कर दिया है. सिविल इंजीनियरिंग केवल कंस्ट्रक्शन साइट तक सीमित नहीं है, बल्कि यदि छात्र नई तकनीकी स्किल्स और सही माइंडसेट सीख लें, तो सिविल के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप बेहद फायदेमंद और मोटी कमाई वाला करियर साबित हो सकता है.

NCL ने निकाली 1607 पदों पर भर्ती

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने ग्रेजुएट, डिप्लोमा, ट्रेड और पैरामेडिकल ट्रेनी अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है. जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया 1 जून से शुरू होने वाली है. योग्य उम्मीदवार ऑनलाइन NAPS/NATS पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. संबंधित नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है. जिसमें पात्रता, चयन प्रक्रिया और अन्य जानकारी डिटेल में उपलब्ध है. इसे पढ़ने के बाद ही उम्मीदवारों को फॉर्म भरने की सलाह दी जाती है. फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 है.

रिक्त पदों की संख्या कुल 1607 है. वैकेंसी को अलग-अलग अप्रेंटिस और कैटेगरी में विभाजित किया गया है. एससी के लिए 291, एसटी के लिए 161, ओबीसी एनसीएल के लिए 336, EWS के लिए 160 और जनरल के लिए रिक्त पदों की संख्या 652 है. डिप्लोमा और ग्रेजुएट अप्रेंटिस के लिए एनएटीएस पोर्टल http://nats.education.gov.in और ट्रेड अप्रेंटिस के लिए https://www.apprenticeshipindia.gov.in/ पर जाकर पंजीकरण करना होगा.

योग्यता- विभिन्न पदों के लिए वेतन और योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है. ग्रेजुएट अप्रेंटिस पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास संबंधित इंजीनियरिंग क्षेत्र में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए. डिप्लोमा अप्रेंटिस पद पर आवेदन करने के लिए संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा योग्यता होना अनिवार्य है. ट्रेड अप्रेंटिस पद पर उम्मीदवारों के पास संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट होना चाहिए. पैरामेडिकल अप्रेंटिस के लिए संबंधित क्षेत्र में ग्रेजुएट या डिप्लोमा की योग्यता होनी चाहिए.

आयु सीमा- आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष और अधिकतम 26 वर्ष तय की गई है.

हाई कोर्ट में निकली 1265 पदों पर भर्ती

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने विभिन्न पदों पर भर्ती निकाली है. जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया 26 मई शाम 4:00 बजे से शुरू होने वाली है. योग्य और इच्छुक उम्मीदवार ऑनलाइन आधिकारिक वेबसाइट sssc.gov.in पर जाकर 23 जुल शाम 4:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं. इससे पहले सभी उम्मीदवारों को अधिसूचना पढ़ने की सलाह दी जाती है. रिक्त पदों की संख्या कुल 1265 है. वैकेंसी को अलग-अलग कैटेगरी में विभाजित किया गया है. आवेदन करने के लिए जनरल कैटेगरी के पुरुष उम्मीदवारों को 1200 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा. वहीं महिलाओं के लिए आवेदन शुल्क 875 रुपये है. एससी (डीएससी)/एसटी (ओएससी)/बीसी-ए/बीसी-बी/ हरियाणा के ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 710 रुपये है. PwBD उम्मीदवारों को शुल्क भुगतान से छूट प्रदान की गई है.

कौन कर सकता है आवेदन?- आवेदन करने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष और अधिकतम 42 वर्ष है. एससी/एसटी और बैकवर्ड क्लास के उम्मीदवारों को 5 साल की छूट अधिकतम आयु सीमा में दी जाएगी. उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए. इसके अलावा कंप्यूटर में प्रोफिशिएंसी होना भी अनिवार्य है. इसके अलावा उम्मीदवारों का हिंदी या संस्कृत के साथ दसवीं पास करना भी अनिवार्य है. 12वीं/ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएशन में हिन्दी विषय भी होना चाहिए.

चयन प्रक्रिया- उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट), कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी टेस्ट और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर होगा. मेरिट लिस्ट सीबीटी में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी. लिखित परीक्षा फुल 100 अंकों की होगी. इसमें इसमें दो विषय शामिल होंगे- जनरल नॉलेज और इंग्लिश कंपोजिशन. जनरल नॉलेज में 50 बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएंगे. अधिकतम अंक 50 होगा. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा.इंग्लिश कंपोजिशन का पेपर ऑब्जेक्टिव और सब्जेक्टिव दोनों होगा.